यह भारत देश हमारा

यह भारत देश हमारा

धुन: जहां डाल डाल पर सोने की चिड़िया

जहां सरस्वती, गंगा यमुना की, पावन बहती है धारा,
यह भारत देश हमारा

सोना जहां उगलती धरती, पर्वत लगते प्यारे ।
ऋषियों-मुनियों की यह धरती, देवता जहां पथधारे ॥
जिसकी सीमा पर हिमालय, देश का है रखवारा-यह भारत...

रण-चण्डी दुर्गा शक्ति से, दुष्ट जहां थर्राति ।
भारत की सैनिक शक्ति से, लोग खौफ हैं खाते ॥
परमाणु का नाश करेंगे, हम निज-शक्ति द्वारा-यह भारत...

जिसके लिये प्रताप शिवा ने, शत्रुओं को ललकारा ।
भगत सिंह,सुखदेव राजगुरुने जिस पर तन वारा ॥
जिसके कण कण गूंज रहा है,भारत का जयकारा-यह भारत...

जिसके वनों और खेतों में, छाई 'मधुप' हरियाली ।
पंछी करें कलोल जहां पर, झूमे डाली डाली ॥
देश मेरा सोने की चिड़िया,लगता सब को प्यारा-यह भारत...

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33265/title/yeh-Bharat-desh-hamara-desh-bhakti-bhajan-by-Madhup-Hari-ji

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |